RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 195
दि. 16.11.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

सोनभद्र में विकास की हवा! सीएम योगी ने एक ही दिन में दे डाली 548 करोड़ की सौगात

(जीएनएस)।

सोनभद्र में जनजातीय गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 548 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। जनजातीय सुरक्षा, सम्मान और विकास के लिए डबल इंजन सरकार की बड़ी घोषणाएं की गईं। एनडीए की बिहार जीत पर बधाई भी दी।

सोनभद्र के शांत पहाड़ी इलाकों में गुरुवार का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। 150 वर्षों बाद, बिरसा मुंडा की प्रेरक गूंज एक बार फिर सोनभद्र की धरती पर वैसे ही गूंजी, जैसे कभी जंगलों में उनके संघर्ष की पुकार गूंजी थी। जनजातीय गौरव दिवस के इस भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ न केवल उपस्थित जनसैलाब से उत्साहित नजर आए, बल्कि उन्होंने जनजातीय समाज के उत्थान को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की डबल इंजन सरकार जनजातीय समाज की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज को मुख्यधारा के विकास से जोड़ना सरकार का दायित्व है और इसी दिशा में सोनभद्र जैसे जनजातीय बहुल क्षेत्र में लगातार व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की 'अबुआ देश, अबुआ राज' की भावना आज के भारत में 'राष्ट्र प्रथम' के रूप में साकार हो रही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने सोनभद्र को 548 करोड़ रुपये की 432 विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। इनमें सड़कों का चौड़ीकरण, पुल निर्माण, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, सिंचाई परियोजनाएं और जनहित से जुड़ी कई योजनाएं शामिल हैं।

कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश का याक नृत्य, छत्तीसगढ़ के जनजातीय नाट्य समूहों की प्रस्तुतियां और सोनभद्र का करमा नृत्य मंच पर जीवंत हो उठा। हजारों की संख्या में पहुंचे जनजातीय भाई-बहनों ने तालियों की गड़गड़ाहट से इस सांस्कृतिक महोत्सव को और अधिक भव्य बना दिया।

जनजातीय परिवारों को भूमि के पट्टे और स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को सम्मान

मुख्यमंत्री ने वन अधिकार कानून के अंतर्गत जनजातीय परिवारों को जमीन के पट्टे सौंपे और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशजों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि वन अधिकार पट्टों का वितरण मात्र औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन बदलने वाला कदम है। अब तक 23,000 से अधिक पट्टे स्वीकृत किए जा चुके हैं और सिर्फ आज ही 1,000 से ज्यादा परिवारों को अधिकार पत्र सौंपे गए।

सोनभद्रः ऊर्जा राजधानी से आगे,

मानव इतिहास और प्राकृतिक धरोहर का केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनभद्र केवल ऊर्जा राजधानी नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव इतिहास का अनमोल संगम है। सलखन फॉसिल पार्क के 140 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म, शिवद्वार पंचमुखी महादेव, ज्वालामुखी शक्तिपीठ और हाथी नाला जैसे स्थल इसे स्पिरिचुअल और इको-टूरिज्म का बड़ा केंद्र बनाते हैं।

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में बड़े बदलाव

मुख्यमंत्री ने बताया कि सोनभद्र मेंः

पहला राजकीय मेडिकल कॉलेज शुरू किया गया है

जिला चिकित्सालय को 500 बेड में विकसित किया गया है

एकलव्य मॉडल विद्यालय में आधुनिक शिक्षा दी जा रही है

कस्तूरबा गांधी विद्यालयों का विस्तार कक्षा 12 तक किया गया

अटल आवासीय विद्यालय का संचालन जारी है

अभ्युदय कोचिंग ने जनजातीय युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में नई दिशा दी है

सिंचाई और ऊर्जा क्षेत्र में बड़े प्रोजेक्ट

ओबरा में 1,320 मेगावाट की नई विद्युत परियोजना

कनहर सिंचाई परियोजना से 53,000 से अधिक किसानों को लाभ

जल जीवन मिशन के तहत 36,649 घरों तक पेयजल कनेक्शन

निवेश प्रस्तावों में 25,981 करोड़ का आंकड़ा

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का तेज संतृप्तिकरण

6,50,000 से अधिक आयुष्मान कार्ड

उज्ज्वला योजना के तहत 2,51,000 गैस कनेक्शन

75,000 से अधिक वृद्धजन पेंशन लाभ

प्रधानमंत्री जन धन योजना के 8,30,570 खाते

कौन हैं अल-फलाह यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर? खुला असली चेहरा

(जीएनएस)।

दिल्ली कार ब्लास्ट के बाद जांच एजेंसियां अब हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी की गतिविधियों की भी समीक्षा कर रही हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस यूनिवर्सिटी से जुड़े कुछ व्यक्तियों के नाम संदिग्ध मॉड्यूल से जुड़ने के चलते जांच के दायरे में आए हैं।

रिपोर्ट्स का दावा है कि संस्थान के फाउंडर वाइस-चांसलर जवाद अहमद सिद्दीकी पूर्व में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में कानूनी प्रक्रिया का सामना कर चुके हैं। ताजा घटनाक्रम के बाद कई एजेंसियाँ यूनिवर्सिटी के संचालन, दस्तावेजों और वित्तीय गतिविधियों की जांच कर रही हैं, जिससे मामला और व्यापक हो गया है।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर बढ़ती जांचः एजेंसियों का फोकस

फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी हाल के घटनाक्रम के बाद जांच एजेंसियों के रडार पर है। तथा आर्थिक जांच एजेंसियाँ यूनिवर्सिटी के दस्तावेजों और परिचालन से जुड़े पहलुओं की समीक्षा

रिपोर्ट्स के अनुसार, संस्थान से जुड़े कुछ व्यक्तियों के नाम संदिग्ध गतिविधियों या संबंधित नेटवर्क की जांच में सामने आए हैं।

इसी कारण स्थानीय पुलिस, केंद्र और राज्य स्तर की एंटी-टेरर इकाइयाँ कर रही हैं। जांच अभी जारी है और एजेंसियाँ सभी तथ्यों की पुष्टि में जुटी हैं।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि यूनिवर्सिटी से जुड़े कुछ व्यक्तियों के नाम एक कथित "व्हाइट कॉलर मॉड्यूल" की जांच के दौरान सामने आए हैं।

ये आरोप अभी सत्यापित नहीं हैं और एजेंसियाँ इनकी प्रामाणिकता जाँचने में लगी हैं। रिपोर्ट्स में जिन नामों का उल्लेख है, उनके खिलाफ कार्रवाई प्रक्रिया न्यायालय और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की जा रही जांच पर निर्भर करेगी। फिलहाल एजेंसियाँ तकनीकी, वित्तीय और संचार से जुड़े कई पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं।

इंडिया टुडे और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म्स की रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अल-फलाह यूनिवर्सिटी के फाउंडर वाइस-चांसलर जवाद अहमद सिद्दीकी पहले एक वित्तीय अनियमितता मामले का सामना कर चुके हैं। उस समय कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, मामला बाद में अदालत में सुलझा।

वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का रविवार को अनावरण करेंगे रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

लखनऊ, 15 नवंबर (भाषा) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि शौर्य, त्याग व बलिदान की प्रतिमूर्ति वीरांगना ऊदा देवी पासी का रविवार को बलिदान दिवस है। इस दौरान स्वाभिमान समारोह का भी उद्घाटन होगा।

इसमें कहा गया कि यह आयोजन रविवार सुबह 10 बजे सेक्टर-19 वृंदावन कॉलोनी, पासी चौराहे पर होगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 1857 के प्रथम भारतीय स्वाधीनता संग्राम में अपने अदम्य साहस व पराक्रम से 36 अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतारकर वीरगति का वरण किया था।

पीएम ने गुजरात के जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए 2000 करोड़ रुपए की जनजातीय कल्याण योजना लॉन्च की

गांधीनगर, 15 नवंबर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के भव्य एवं गौरवशाली समारोह में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर भाववंदना करते हुए कहा कि जनजातीय समुदाय देश के सम्मान, स्वाभिमान और स्वराज की रक्षा के लिए सदैव अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई, जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा तथा जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए जन-जन में चेतना जगाने वाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को यादगार बनाने और जनजातीय नायकों के शौर्य तथा अमूल्य योगदान को सम्मान देने के लिए 2025 का वर्ष देश भर में जनजातीय गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में कुल 9700 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। प्रधानमंत्री ने गुजरात के जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए 2000 करोड़ रुपए की जनजातीय कल्याण योजना भी लॉन्च की।

प्रधानमंत्री ने सतपुड़ा पर्वतमाला में स्थित देवमोगरा धाम में जनजातियों की आराध्य याहा मोगी पांडोरी माता के दर्शन और पूजा-अर्चना कर धन्यता का अनुभव किया। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ खुली जीप में सवार होकर सभामंडप में मौजूद जनसमूह के बीच से गुजरते हुए जनजातीय बंधुओं का अभिवादन स्वीकार किया।

उत्तराखंड में वकीलों ने किया कामकाज ठप, 6 दिन से चल रहा आंदोलन

उत्तराखंड में वकीलों ने आज अपना कामकाज ठप कर दिया। बार एसोसिएशन देहरादून के अधिवक्ताओं की चेंबर निर्माण से संबंधित मांग के समर्थन में आज पूरे राज्य की अदालतों में कामकाज ठप रखा। आज हड़ताल के दौरान अदालतों और संबंधित कार्यालयों के साथ-साथ बस्ते, टाइपिंग, स्टाम्प वेंडर आदि सेवाएं भी पूरी तरह से बंद रहे।

शहर के पुरानी जिला अदालत की खाली जमीन पर चैंबर निर्माण की मांग को लेकर देहरादून के अधिवक्ता पिछले 6 दिन से आंदोलन और प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले 5 दिनों में अधिवक्ता कुछ घंटों लिए हड़ताल पर जा रहे थे और उसके बाद कोर्ट का कामकाज शुरू हो जाता था।

सुल्तानपुर पहुंची पदयात्रा में संजय सिंह ने सुनी आशा बहुओं की पीड़ा, किया ये वादा

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी और अन्याय के खिलाफ आम आदमी पार्टी की "रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो" पदयात्रा के चौथे दिन कूरेभार से कटका तक हजारों लोग उमड़ पड़े। हर मोड़, हर गाँव पर लोगों की भीड़ ने यह साफ कर दिया कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है। इस दौरान कूरेभार में युवाओं ने सांसद संजय सिंह से मिलकर रोजगार की मांग को सदन में उठाने की बात कही।

इस दौरान पटना चौराहे पर पिंकू सिंह और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पास आशा बहुओं ने अपने नेता संजय सिंह के साथ ही पदयात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कूरेभार बाजार, गुफ्तारगंज बाजार, बाबूगंज और कटरा बाजार में भी पदयात्रा का गर्म जोशी के साथ स्वागत किया गया। अयोध्या से प्रयागराज तक चलने वाली यह 200 किमी लंबी पदयात्रा शुक्रवार को जब रात्रि विश्राम के लिए कूरेभार पहुँची, तो लोगों का भावनात्मक जुड़ाव साफ दिख रहा था।

रात और ठंड की चिंता न करते हुए जिस तरह लोगों ने इस पदयात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया, उससे आम आदमी पार्टी पर लोगों के भरोसे और उम्मीद को साफ देखा जा सकता था।

सुल्तानपुर पहुँचकर आप सांसद संजय सिंह भावुक होते हुए बोले कि सुल्तानपुर मेरा गृह जनपद है। यहाँ की तकलीफ मेरे लिए आंकड़े नहीं, व्यक्तिगत दर्द है। उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों में जिले की बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बद से बदतर हुई है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि सुल्तानपुर की सड़कें किसी ज़िले की नहीं, बल्कि भेदभाव की कहानी लगती हैं।

बिहार में एनडीए की सुनामी पर पर राहुल-तेजस्वी का छलका दर्द, कहा-'मैदान बराबर नहीं था'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों ने जहां ठऊ्अ को ऐतिहासिक बढ़त दिलाकर राजनीतिक माहौल गर्मा दिया है, वहीं INDIA ब्लॉक इन नतीजों को "अनफेयर", "चौंकाने वाला" और "वोट चोरी का नतीजा" बता रहा है।

चुनाव आयोग ने 14 नवंबर को अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमें ठऊ्अ ने 243 में से 202 सीटें जीतकर अभूतपूर्व सफलता हासिल की, जबकि महागठबंधन मात्र 35 सीटों पर सिमट गया। चुनाव परिणाम आने के बाद क्ठऊ्क्अ ब्लॉक ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कराई, जिसमें धांधली से लेकर संस्था के दुरुपयोग तक के आरोप शामिल रहे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सबसे पहले नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बिहार का चुनाव निष्पक्ष नहीं था। उन्होंने पर लिखा- मैं बिहार के लाखों मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने महागठबंधन पर विश्वास जताया। यह परिणाम बेहद चौंकाने वाला है। यह चुनाव शुरूआत से ही निष्पक्ष नहीं था।

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है, और कांग्रेस तथा INDIA ब्लॉक इस परिणाम की गहरी समीक्षा करेंगे।

तेजस्वी यादव का गणितः 'वोट हमारा, सीट उनकी कैसे?'

RJD नेता और महागठबंधन के सीएम चेहरे तेजस्वी यादव ने वोट शेयर का डेटा साझा करते हुए चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा- "RJD: 1.8 करोड़ वोट = 25 सीटें, BJP: 96 लाख वोट = 91 सीटें, JDU: 90 लाख वोट = 83 सीटें., यह रिगिंग पावर, सिस्टम और एजेंसियों के सहयोग से संभव है।"

तेजस्वी ने कहा कि जनता ने RJD को सबसे ज्यादा वोट दिए, लेकिन सीटों में NDA आगे निकल गया-यह 'राजनीतिक गणित' से अधिक 'चुनावी खेल' जैसा दिखता है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने नतीजों का सम्मान करते हुए भी चुनाव आयोग और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा-"हम उन ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे जो संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही हैं। यह लड़ाई लंबी है और इसे हम पूरी ईमानदारी से लड़ेंगे।"

NCP (SCP) नेता सुप्रिया सुले ने NDA को बधाई देते हुए कहा-जो जीता वही सिकंदर। हम अपनी हार की समीक्षा करेंगे। नतीजे साफ हैं। उनकी टिप्पणी विपक्ष और सत्ता दोनों के लिए एक प्रतीकात्मक संदेश देती है।

भावनगर रेलवे मंडल के वेरावल स्टेशन के कर्मचारियों द्वारा उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य

दिनांक 13 नवम्बर 2025 की सुबह गडू (शेरबाग) गाँव के दो बालक दिव्य कल्पेशभाई जेठवा और हर्षिल कल्पेशभाई जेठवा, दोनों आयु 12 वर्ष लगभग प्रातः 8:00 बजे लापता हो गए। प्राप्त सूचना के आधार पर संदेह हुआ कि वे प्रातः 10:05 बजे प्रस्थान करने वाली जबलपुर ट्रेन में सवार हो सकते हैं।

परिवारजन तुरंत वेरावल रेलवे स्टेशन पहुँचे, जहाँ उनकी मुलाकात श्री अशोक खंडेलवाल (CTI-वेरावल) और श्री रवि चुडासमा (HTC-वेरावल) से हुई। यद्यपि परिवारजन उन दोनों रेलवे कर्मचारियों के लिए पूर्णतः अपरिचित थे, फिर भी दोनों कर्मकारियों ने इस स्थिति को अत्यंत संवेदनशीलता, मानवीयता और समर्पण के साथ संभाला मानो उनके अपने बच्चे गुम हो गए हों।

दोनों कर्मचारी पूरे समय परिवार के साथ रहे और हर संभव सहायता प्रदान करते रहे, यहाँ तक कि उन्होंने रात 11 बजे तक अपना भोजन भी

नहीं किया। लगभग 11 बजे अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से सूचना मिली कि दोनों बच्चे सुरक्षित मिल गए हैं। परिवार को पूरी राहत मिलने और सुरक्षित जानकारी उपलब्ध होने के बाद ही दोनों कर्मचारी रात देर से अपने घर लौटे।

उक्त बच्चों के परिवार ने वेरावल रेलवे स्टेशन के संपूर्ण स्टाफ, कैमरा चेकिंग विभाग तथा आरपीएफ पुलिस द्वारा प्रदान किए गए सहयोग और समन्वय के लिए आभार व्यक्त किया है। विशेष रूप से श्री अशोक खंडेलवाल (उळक्षवेरावल) और श्री रवि चुडासमा (ळ्ळउझवेरावल) द्वारा प्रदर्शित त्वरित कार्यवाही, नेतृत्व, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए परिवार ने उनके प्रति विशेष सराहना व्यक्त की है।

उनकी तत्पर प्रतिक्रिया, मानवीय दृष्टिकोण और अथक प्रयासों ने परिवार सहित गाँव-समाज को गहराई से प्रभावित किया है। परिवारजन, विशेषकर बच्चों के अभिभावक, रिश्तेदार और सभी संबंधित व्यक्तियों ने वेरावल रेलवे स्टेशन टीम के प्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट की है। कर्मचारी श्री खंडेलवाल और श्री चुडासमा भारतीय रेल के लिए एक मूल्यवान संपत्ति हैं।

बच्चों के परिजनों ने कहा की भारतीय रेलवे द्वारा प्रदर्शित इस उत्कृष्ट सेवा, मानवीय संवेदना और कर्तव्यनिष्ठा की वे सराहना करते हैं। ऐसे कर्मचारी भारतीय रेल को पूरे देश में विश्वास और सेवा का प्रतीक बनाते हैं।

बाल दिवस (14 नवम्बर) के अवसर पर बाल मंदिर एवं किड्स हट के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण एवं खेल सामग्री वितरण

बाल दिवस (14 नवम्बर) के अवसर पर बाल मंदिर एवं किड्स हट के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण एवं खेल सामग्री वितरण

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर दिनांक 14 नवम्बर 2025 (शुक्रवार) को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित बाल मंदिर एवं किड्स हट के विद्यार्थियों को भावनगर परा स्थित रेल म्यूजियम, शहीद स्थल और बाल उद्यान का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विभिन्न ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण स्थलों की विशेषताओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

- शहीद स्थल पर उन्हें इसके निर्माण के उद्देश्य तथा देश के प्रति बलिदान देने वाले वीरों के महत्व से अवगत कराया गया।
- रेल म्यूजियम में मीटर गेज एवं नैरो गेज के समय के विभिन्न उपकरणों, तकनीकों एवं रेल इतिहास की रोचक जानकारियों से बच्चों को परिचित कराया गया।
- इसके साथ ही बाल उद्यान में बच्चों ने मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की महिला कल्याण संगठन द्वारा बालकों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए बाल मंदिर और किड्स हट विद्यालयों को खेलकूद की सामग्रियों का वितरण भी किया गया, जिससे बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु प्रोत्साहन मिल सके।

इस अवसर पर महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी वर्मा, सेक्रेटरी श्रीमती माया त्रिपाठी, ट्रेजरर श्रीमती वंदना पाटीदार सहित संगठन की अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में ज्ञान के प्रति उत्साह, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति जागरूकता तथा स्वास्थ्यपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण को प्रोत्साहित करना था।

मंडल रेल अस्पताल, भावनगर में महिला कर्मचारियों के लिए सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना

महिला रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भावनगर रेलवे मंडल द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। दिनांक 14 नवंबर 2025 (शुक्रवार) को मंडल रेल अस्पताल, भावनगर में सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना की गई। यह व्यवस्था महिला कर्मचारियों को कार्यस्थल पर ही सहज, सुरक्षित एवं सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की यह वेंडिंग मशीन कर्मचारी हित निधि (रइञ्) के सौजन्य से स्थापित की गई है। इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री वाई.

राधेश्याम जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री सुबोध कुमार, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारीगण तथा विभिन्न यूनीयन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन की स्थापना से महिला कर्मचारियों को आकस्मिक परिस्थिति में भी तुरंत एवं स्वच्छता के साथ आवश्यक सुविधाएं प्राप्त होंगी। यह कदम कार्यस्थल पर महिलाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा और ह्महाइजीनिक वर्क एनवायरमेंट्ह की दिशा में भावनगर मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भावनगर रेल मंडल भविष्य में भी महिला कर्मचारियों के समग्र कल्याण के लिए इसी प्रकार के कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

करिश्मा कपूर की बेटी समायरा को कॉलेज ने निकाल दिया? फीस पर चौंकाने वाला खुलासा, कोर्ट ने लगाई फटकार

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स-हसबैंड संजय कपूर की प्रॉपर्टी विवाद को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई जारी है। इस बीच करिश्मा कपूर की बेटी समायरा कपूर ने अदालत में चौंकाने वाला खुलासा किया है।

समायरा कपूर ने बताया है कि वह एक अमेरिकन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही हैं और उनकी दो महीने की फीस जमा नहीं की गई है। हालांकि संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

-हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों द्वारा दाखिल अंतरिम रोक की अर्जी पर बहस हुई थी। इस याचिका में प्रिया सचदेव को संजय कपूर की संपत्तियां बेचने से रोकने की मांग की गई थी।

-करिश्मा कपूर के दोनों बच्चों (बेटी समायरा और बेटे कियान) की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने अदालत में कहा कि समायरा अमेरिका में पढ़ाई कर रही हैं और उनकी फीस बकाया है।

-एडवोकेट महेश जेठमलानी ने दावा किया कि शादी के दौरान हुए समझौते के तहत संजय कपूर पर बच्चों की पढ़ाई और उनके रहने का खर्च उठाने की जिम्मेदारी थी।

इस पर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा- इस मुद्दे पर 30 सेकंड से ज्यादा समय नहीं लगना चाहिए। ऐसे मुद्दे दोबारा अदालत में नहीं आने चाहिए। सुनवाई को मेलोड्रामैटिक न बनाएं। जानकारी के अनुसार अब इस मामले में अगली सुनवाई आगामी 19 नवंबर 2025 को होगी।

गुजरात टाइटंस ने दिग्गजों को किया रिटेन, टीम से बाहर किये 6 खिलाड़ी

(जीएनएस)।

गुजरात टाइटंस ने 2026 के लिए बड़ी कटौती करते हुए कई खिलाड़ियों को रिलीज किया है। टीम ने जिन खिलाड़ियों को बाहर किया है, वे सभी ग्राफिक में लाल पट्टी में दिखाए गए हैं। इनमें शेरफेन रदरफोर्ड (जिन्हें मुंबई इंडियंस को ट्रेड किया गया), महिपाल लोमरोर, करीम जनत, दासुन शनाका, जेराल्ड कोएट्ज़ी और कुलवंत खेजरोलिया शामिल हैं।

इन खिलाड़ियों को रिलीज करने के पीछे टीम का मुख्य उद्देश्य आगामी आईपीएल 2026 मेगा ऑक्शन से पहले स्क्वॉड को नया रूप देना माना

जा रहा है। गुजरात ने बैटिंग, ऑल-राउंड और पेस विभाग में जगह खाली कर दी है ताकि वे नीलामी में अपनी जरूरतों के अनुसार मजबूत खिलाड़ियों पर बड़ा दांव लगा सकें।

शुभमन गिल की कप्तानी में टीम पहले से ही कई मैच-विनर्स को रिटेन कर चुकी है, और अब उम्मीद है कि मेगा ऑक्शन में ऋ्ळ कुछ बड़े नामों को अपने साथ जोड़ेगी। गुजरात का यह कदम आने वाली सीजन रणनीति को लेकर बड़ा संकेत देता है।

गुजरात टाइटंस के रिलीज खिलाड़ी

शेरफेन रदरफोर्ड (मुंबई को ट्रेड)
महीपाल लोमरोर
करीम जनत
दासुन शनाका
जेराल्ड कोएट्ज़ी
कुलवंत खेड़ोलिया

सीएम ऑफिस के फर्जी डॉक्यूमेंट बनाने वाली नगर निगम यंत्री शिवानी गर्ग कैसे हुई सस्पेंड, जानिए पूरा मामला

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के सिंगरौली नगर निगम में एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसने प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचा दिया। राज्य शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधीन कार्यरत उपयंत्री शिवानी गर्ग ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) का फर्जी सेवा प्रमोशन आदेश बनाकर सहायक यंत्री के पद पर पदोन्नति का प्रयास किया।

CMO ने इस तरह के किसी आदेश को जारी न करने की पुष्टि की, जिसके बाद नगरी प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने तत्काल एक्शन लेते हुए शिवानी गर्ग के खिलाफ FIR दर्ज कराई और उन्हें निलंबित कर दिया। यह घटना न केवल नगर निगम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ी कर रही है, बल्कि सरकारी दस्तावेजों के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की गहरी जड़ों को उजागर कर रही है।

शिवानी गर्ग, जो 2016 में राज्य नगरीय यांत्रिकी सेवा में उपयंत्री के रूप में नियुक्त हुई थीं, हाल ही में तबादले के बाद सिंगरौली नगर निगम में पदस्थ हुई थीं। विभागीय जांच में फर्जी दस्तावेज की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला मध्य प्रदेश में चल रही भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती की कड़ी का हिस्सा है, जहां हाल ही में छिंदवाड़ा नगर निगम में मृतक और रिटायर्ड कर्मचारियों की हाजिरी के फर्जीवाड़े का भी खुलासा हुआ था।

फर्जी दस्तावेज का खेलः CMO के नाम पर प्रमोशन का सपना

घटना की शुरूआत 21 अगस्त 2025 को हुई, जब शिवानी गर्ग ने सिंगरौली नगर निगम में एक आवेदन प्रस्तुत किया। इस आवेदन में उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय से उनके सेवा प्रमोशन (सेवा पदोन्नति) संबंधी आदेश जारी हो चुका है, और इसी आधार पर सहायक यंत्री के पद पर पदोन्नति का आग्रह किया। आवेदन के साथ संलग्न दस्तावेज में

उटड का कथित 'सेवा प्रमोशन आई ऑफिस प्रतिवेदन' था, जो विभाग में जमा कर दिया गया।

लेकिन यह दस्तावेज शुरू से ही संदिग्ध लग रहा था। इसमें पदनाम, कूट शब्द (कोड) और हस्ताक्षर असंगत थे, जो स्पष्ट रूप से कूट रचित (फर्जी) साबित हुए। नगर निगम के अधिकारियों ने तुरंत जांच शुरू की और दस्तावेज का सत्यापन राज्य शासन के माध्यम से उटड को भेजा। 1 अक्टूबर 2025 को उटड ने स्पष्ट जवाब दिया कि "इस तरह का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है।" यह पुष्टि होते ही मामला गंभीर हो गया।

नगरी प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने तत्काल निर्देश जारी किए। उन्होंने शिवानी गर्ग के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (क्ढउ) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 465 (जालसाजी), 468 (जालसाजी का दुरुपयोग) और 471 (जाली दस्तावेज का उपयोग) के तहत त्र्क्षक्र दर्ज कराई। साथ ही, तत्काल प्रभाव से शिवानी को निलंबित कर दिया गया। आयुक्त भोंडवे ने कहा, "सरकारी दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ असहनीय है। उटड के नाम का दुरुपयोग विभाग की छवि को धूमिल करता है। सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।"

शिवानी गर्ग का बैकग्राउंडः 2016 में नियुक्ति, तबादले के बाद सिंगरौली

शिवानी गर्ग 2016 में मध्य प्रदेश राज्य नगरीय यांत्रिकी सेवा (व१ुल्ल एल्ल्ॅल्ल्ली१ल्लॅ री१्प्री) में उपयंत्री के पद पर नियुक्त हुई थीं। वे विभिन्न जिलों में सेवा दे चुकी हैं, लेकिन हाल ही में एक विभागीय तबादले के बाद सिंगरौली नगर निगम में तैनात की गई थीं। सिंगरौली, जो कोयला खदानों और ऊर्जा केंद्रों के लिए जाना जाता है, में नगर निगम विकास कार्यों के कारण व्यस्त रहता है। शिवानी को जिम्मेदारी दी गई थी कि वे इंजीनियरिंग विभाग में प्रमोशन प्रक्रिया का पालन करें, लेकिन उन्होंने उल्टा फर्जी दस्तावेज बनाकर सिस्टम को चकमा देने की कोशिश की।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, प्रमोशन के लिए नियमित मूल्यांकन और वरिष्ठता सूची का पालन अनिवार्य है। शिवानी ने उटड के नाम का इस्तेमाल कर शॉर्टकट लेने की कोशिश की, जो विफल रही। यह घटना सिंगरौली नगर निगम के पिछले घोटालों की याद दिलाती है, जैसे मई 2025 में 16 लाख की नाली निर्माण का फर्जी बिल और कचरा प्रबंधन में फर्जी गाड़ियों का मामला।

जांच का दायराः अन्य अधिकारियों पर भी शक

जांच में यह सामने आया कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने में शिवानी अकेली नहीं थीं। नगर निगम के कुछ क्लर्क और सहायक कर्मचारियों पर भी संदेह है, जिन्होंने आवेदन को आगे बढ़ाया। आयुक्त भोंडवे ने विभागीय जांच समिति गठित की है, जो पूरे प्रमोशन प्रक्रिया की पड़ताल करेगी। राज्य शासन ने भी उटड स्तर पर सत्यापन प्रक्रिया को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं।

मध्य प्रदेश में हाल ही में भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं। छिंदवाड़ा नगर निगम में मृतक और रिटायर्ड कर्मचारियों की हाजिरी के फर्जीवाड़े (नवंबर 2025) और रायसेन में उपयंत्री की सेवा समाप्ति (प्रधानमंत्री आवास योजना घोटाला) जैसी घटनाएं इसका उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है, "भ्रष्टाचारियों को जेल भेजें, ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करें।"

राजनीतिक प्रतिक्रियाएंः विपक्ष ने सरकार पर निशाना

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंहः "नगर निगमों में भ्रष्टाचार का बोलबाला। इखढ सरकार की नाकामी। सिंगरौली जैसे क्षेत्रों में विकास के नाम पर लूट।"

नगरी प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंहः "फर्जीवाड़े पर जीरो टॉलरेंस। शिवानी गर्ग जैसे दोषियों को सजा मिलेगी।"

सिंगरौली कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्लाः "जांच पूरी होने पर आगे कार्रवाई। जनता का पैसा सुरक्षित रखें।"

शिवानी गर्ग के समर्थकः कोई आधिकारिक बयान नहीं, लेकिन विभागीय सूत्रों ने कहा कि वे अपील करेंगी।

सिंगरौली नगर निगम के पार्षदों ने भी चिंता जताई। एक पार्षद ने कहा, "फर्जी प्रमोशन से सच्चे कर्मचारियों का मनोबल गिरता है। तत्काल जांच जरूरी।"

मुंबई लोकल के यात्रियों को होगी भारी परेशानी, आज इन रूट्स पर रहेगा मेगा ब्लॉक

(जीएनएस)।

मुंबई में रेलवे यात्रियों को रविवार को मेगाब्लॉक के कारण असुविधा का सामना करना पड़ेगा। मध्य रेलवे ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से विद्याविहार और पनवेल से वाशी के बीच मेगाब्लॉक की घोषणा की है।

वहीं, पश्चिम रेलवे पर बोरीवली से राम मंदिर के बीच भी ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान रेल पटरियों और सिग्नल प्रणालियों का रखरखाव किया जाएगा, जिसके चलते कुछ लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी और कुछ देरी से चलेंगी।

मध्य रेलवे के CSMT से विद्याविहार के अप और डाउन धीमी लाइनों पर सुबह 10:55 बजे से दोपहर 3:55 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इस अवधि में धीमी लाइन की लोकल ट्रेनों को अप और डाउन तेज लाइनों पर डायवर्ट किया जाएगा, जिससे कुछ सेवाएं रद्द हो सकती हैं या विलंबित हो सकती हैं।

हार्बर रेलवे लाइन पर पनवेल

से वाशी के बीच अप और डाउन लाइनों पर सुबह 11:05 बजे से दोपहर 4:05 बजे तक मेगाब्लॉक रहेगा। जिसके चलते CSMT से पनवेल और ठाणे से पनवेल के बीच चलने वाली लोकल ट्रेनें रद्द रहेंगी। CSMT से वाशी और ठाणे से वाशी के बीच विशेष लोकल सेवाएं चलाई जाएंगी। बेलापुर-उरण लोकल सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

पश्चिम रेलवे पर बोरीवली से राम मंदिर के बीच अप और डाउन तेज लाइनों पर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक ब्लॉक प्रभावी रहेगा। इस दौरान तेज लाइन की लोकल ट्रेनों को अप और डाउन धीमी लाइनों पर चलाया जाएगा, जिससे कुछ ट्रेनों के रद्द होने या देर से चलने की संभावना है।

उगाव स्टेशन पर कोविड काल में बंद की गई रेल सेवा तीन साल बाद शुक्रवार (14 तारीख) को फिर से शुरू हुई। इसके लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी, जिसके बाद न्यायालय ने रेलवे विभाग को स्टॉपेज देने का निर्देश दिया था। कई बार फॉलो-अप करने के बाद, अंततः निफाड़ तालुका के उगाव स्टेशन पर देवलाली-भुसावल और इगतपुरी-भुसावल इन दो ट्रेनों को ठहराव दिया गया। ग्रामवासियों ने देवलाली से भुसावल जाने वाली मेमू ट्रेन का पटाखे फोड़कर और फूलों की वर्षा कर स्वागत किया।

फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक कैसे पहुँचे श्रीनगर? J&K पुलिस ने अब तक क्या कहा?

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के बाहरी इलाके नौगाम में शुक्रवार देर रात हुई भीषण विस्फोटक घटना ने पूरे सुरक्षा तंत्र को हिला दिया है। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें जम्मू-कश्मीर पुलिस के रक्अ अधिकारी, FSL टीम के तीन सदस्य, दो क्राइम सीन फोटोग्राफर, दो राजस्व अधिकारी और एक दर्जी शामिल था।

प्रारम्भिक जांच में इसे दुर्घटनावश हुआ विस्फोट बताया गया, लेकिन इसके तार सीधे तौर पर हरियाणा के फरीदाबाद में हाल ही में हुए बड़े विस्फोटक बरामदगी मामले से जुड़े पाए गए हैं - वही मॉड्यूल जिससे दिल्ली Red Fort ब्लास्ट का लिंक निकलकर आया था।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने क्या कहा?

J&K पुलिस प्रमुख नलिन प्रभात के अनुसार, नौगाम थाने में रखा गया विस्फोटक वही था, जो फरीदाबाद में हाल ही में खीट मॉड्यूल पर छापेमारी के दौरान बरामद किया गया था। फॉरेंसिक विशेषज्ञ जब इस बरामद सामग्री का सैंपल निकाल रहे थे, तभी धमाका हो गया।

फरीदाबाद में 2,900 किलो विस्फोटक की बरामदगी एक 'व्हाइट कॉलर' आतंकी मॉड्यूल पर चली

कार्रवाई का हिस्सा थी। जिसमें शामिल थे डॉक्टर, क्लेरिक, प्रोफेशनल्स और छात्र, और यह मॉड्यूल सीधे Jaish-e-Mohammed और Ansar Ghazwat-ul-Hind (AGuH) से जुड़ा पाया गया। छापों में फरीदाबाद के दो गांवों से 2,563 किलो विस्फोटक,358 किलो अतिरिक्त सामग्री, डेटोनेटर और टाइमर बरामद किए गए।

जांच कैसे पहुँची फरीदाबाद तक?

दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट में भी इसी प्रकार का विस्फोटक इस्तेमाल हुआ, जिसमें 10 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इस ब्लास्ट का आरोपी डॉ. उमर-उन-नबी भी इसी मॉड्यूल से जुड़ा पाया गया। 19 अक्टूबर को नौगाम थाना क्षेत्र में Jaish के धमकी भरे पोस्टर मिले, जिसमें "spectÔculÔr ÔttÔck" की चेतावनी दी गई थी। CCTV फुटेज में संदिग्ध दिखे तीन युवकों की पूछताछ में नाम जुड़ा इरफान वागे, शोपियां का क्लेरिक और चानपोरा मस्जिद का इमाम।

आगे की जांच में खुलासा हुआ कि वागे और उसके साथी शहरी आतंकी सपोर्ट सेल चला रहे थे, जिसका नेटवर्क फरीदाबाद तक फैला हुआ था। अब तक इस मॉड्यूल से जुड़े जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें शामिल हैं-इरफान वागे व अन्य दो क्लेरिक, अल-फला यूनिवर्सिटी से जुड़े कई डॉक्टर, डॉ. उमर-उन-नबी (दिल्ली ब्लास्ट आरोपी) अब्दुल मक्सूद, आरिफ निसार डार, डॉ. आदिल रजा, डॉ. मोजम्मिल गनी और अन्य नाम हैं।

नौगाम थाने में विस्फोट कैसे हुआ?

फरीदाबाद से बरामद विस्फोटक का एक हिस्सा नौगाम थाने में जांच के लिए भेजा गया था।उसी दौरान फॉरेंसिक टीम नमूने निकाल रही थी,तभी अचानक तीव्र प्रतिक्रिया हुई और विस्फोट हो गया। यह स्पष्ट रूप से अनपेक्षित और दुर्घटनावश हुआ ब्लास्ट बताया जा रहा है, पर घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या विस्फोटक को सुरक्षित तरीके से हैंडल नहीं किया गया? क्या सैंपल निकालते समय SOP फॉलो नहीं हुए?क्या इस विस्फोटक की रासायनिक प्रतिक्रिया अधिक अस्थिर थी? जांच इन सवालों के जवाब तलाश रही है। यह मामला अब एक इंटर-स्टेट टेरर मॉड्यूल की सबसे बड़ी जांच बन चुका है जिसमें 3,000 किलो विस्फोटक,दिल्ली ब्लास्ट, Jaish मॉड्यूल,और अब नौगाम हादसा एक-दूसरे से सीधे तौर पर जुड़े हुए सामने आए हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

परिवार गुटबाजी व इंडिया गठबंधन में एकजुटता का आभाव लाया हार

बिहार विधानसभा चुनावों के परिणाम हैरान भले ही करें किन्तु सच यह है कि जो परिस्थितियां पैदा हो चुकी थीं, उससे यही परिणाम आना था। कभी जाति की राजनीति के लिए विशेष पहचान रखने वाला बिहार अब बिल्कुल बदल गया है। जिस बिहारी को बिजली के बदले लालटेन जलाने की सलाह मिलती थी, सड़क की मांग करने पर भैंस की पीठ पर बैठने की सलाह दी जाती थी, पढ़ लिखकर डाक्टर और इंजीनियर बनने की चाहत बताने पर चरवाहा बनने की नसीहत मिलती थी, अपहरण पीड़ित बिहारियों को अपराधियों से समझौते करने की सलाह दी जाती थी, उसी राज्य में अब युवा वोटर अपने भविष्य की चिन्ता करते हैं और चाहते हैं कि राज्य में सरकार कोई भी बने वह व्यक्तिगत नहीं बल्कि राज्य के नागरिकों की चिन्ता करे। कुशासन के प्रातीक बन चुके लालू-राबड़ी आज भी बिहार में अपराध के अमिट हस्ताक्षर बन चुके हैं। वह चाहे जितनी कोशिश कर लें उनके माथे से जंगलराज का काला तिलक आज भी चमक रहा है। जबकि बिहार में लोगों को अब विकास का आनंद आना शुरू हो गया। बिहारी अब जाति की राजनीति की वास्तविकता समझ चुका, यही कारण है कि अब वह नेताओं के झांसे में नहीं आता। उसने देश के दूसरे राज्यों को देखा, उसने बिहार की बर्बादी को देखा और सुना था। बिहार के वोटरों को अब लफ्फाजी नहीं विकास चाहिए ठीक वैसे ही जैसे कि दूसरे राज्यों में हो रहा है। इसलिए तमाम कोशिशों के बावजूद बिहार के वोटर भ्रमित नहीं हुए।

ऐसा नहीं है कि बिहार में वे वोटर खत्म हो गए जो लालू चरित्र में पाए जाते हैं किन्तु दुर्भाग्य से उन्हें आकर्षित करने वाला लालू के अलावा कोई और नहीं है। इसका परिणाम यह हुआ कि लालू के कोर वोटर इस चुनाव में उस तरह की मदद तेजस्वी की नहीं कर पाए जैसी कि वे पहले किया करते थे। यही नहीं लालू-राबड़ी परिवार में कलह के कारण भी आरजेडी परस्त हुई। लालू-राबड़ी प्राचार से दूर थे और बेटे अलग-अलग पार्टियों से लड़े तो बेटियां भी दोनों के अलग-अलग गुटों में शामिल हो गईं।

सच तो यह है कि चुनाव के वक्त न सिर्फ लालू परिवार गुटबाजी का शिकार हो चुका था बल्कि इंडिया गठबंधन में भी एकजुटता का अभाव था। इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल मिलकर आम सहमति से टिकट नहीं बांट सके, परिणामस्वरूप तमाम सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आपस में ही लड़कर निपट गए।

यह सच है कि महिलाओं ने एनडीए गठबंधन के प्रात्याशियों को जाति से हटकर वोट दिए लेकिन इसका भी एक ही कारण था कि उन्हें इंडिया गठबंधन के वादे पर भरोसा नहीं रहा क्योंकि वे 10 हजार पा चुकी थीं।

उनको शुरू से ही नीतीश कुमार पर भरोसा रहा, इसलिए उन्होंने जमकर समर्थन किया। सच तो यह है कि अब जबकि एनडीए को आशातीत सफलता मिली है तो इसका श्रेय लेने वाले कारकों का टोटा नहीं है किन्तु यह भी सच है कि यदि प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच समझ और सहयोग की भावना मजबूत न होती तो इस परिणाम की कल्पना नहीं की जा सकती थी। इसके अलावा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी भाजपा संगठन को जिस तरह सुगठित व सक्रिय किया वह पाटा के लिए काफी हितकर साबित हुआ। वहीं राहुल गांधी ने भी एनडीए की जीत में खूब भूमिका निभाई। उनकी विपक्ष के नेता के रूप में विश्वसनीयता का संकट इतना गहरा है कि उनका हर हमला उल्टा पड़ता है। इसके अलावा जिस तरह इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल आपस में सामंजस्य से लड़े यह उनके लिए सफलता का मूल कारण साबित हुआ। इंडिया गठबंधन की मुश्किल यह है कि वे अपने खिलाफ सुनामी से भी सबक लेने को तैयार नहीं हैं। उन्हें इस बात की समीक्षा भी नहीं करनी है कि उनकी इतनी बुरी पराजय और एनडीए की इतनी शानदार जीत क्यों हुई! 'वोट चोरी' का गीत फटे बांस की बांसुरी से निकली बेसुरी तान भी उनके काम तो नहीं आया किन्तु एसआईआर के कारण तमाम फजा वोटर जरूर मतदान से अलग हो गए। लब्बोलुआब यह है कि बिहार के चुनाव से अब यह साबित हो गया है कि वहां के वोटरों की जरूरतें और उम्मीदें दोनों बदल चुकी हैं इसलिए मोदी-नीतीश दोनों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर होना होगा।

मोदी-शाह ने जहां-जहां रैली की, वहां एनडीए कितनी सीटें जीती? स्ट्राइक रेट चौंकाने वाला!

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए ने 202 सीटों के साथ जबरदस्त जीत दर्ज की है। बीजेपी ने अकेले 89 सीटें जीतकर अपना दबदबा दिखाया। JDU 85 सीटें और चिराग पासवान की पार्टी लोजपा 19 सीटें जीतीं। लेकिन पूरे चुनाव का असली गेमचेंजर रहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का रैली मैनेजमेंट।

पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों नेताओं ने जहां-जहां जनसभाएं कीं, वहां एनडीए का स्ट्राइक रेट इतना मजबूत रहा कि राजनीतिक विश्लेषक भी हैरान रह गए। ऐसे में आइए जानें पीएम मोदी और अमित शाह ने जहां-जहां रैली की, वहां का चुनावी परिणाम क्या था।

▶ PM मोदी की रैलियां का धमाका-80% स्ट्राइक रेट,97 सीटें जिताई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के दौरान बिहार के 16 जिलों में कुल 16 रैलियां कीं। इन रैलियों के जरिए उन्होंने 122 सीटों को कवर किया, जिसमें से एनडीए ने 97 सीटें जीत लीं। यानी पीएम मोदी का स्ट्राइक रेट 80% रहा।

▶ मोदी की रैलियों ने कैसे बदल दिया समीकरण

122 सीटें कवर, NDA जीता 97

44 सीटें ऐसी थीं जो NDA ने इस बार पहली बार जीतीं

2020 में इन्हीं सीटों पर NDA को 56 सीटें मिली थीं

इस बार NDA को इन सीटों पर 41 सीटों का फायदा

पीएम की रैलियों से 49 सीटें रिटेन, 7 सीटें खोईं

स्पष्ट है कि मोदी की रैलियों ने ना सिर्फ वोटरों का रुझान बदला, बल्कि उन क्षेत्रों में भी एनडीए की पकड़ मजबूत की, जहां पिछली बार प्रदर्शन कमजोर रहा था।

▶ PM मोदी ने इन जिलों में की रैलियां

पूर्णिया, समस्तीपुर, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, छपरा, पटना, भोजपुर, नवादा, सहरसा, कटिहार, अररिया, भागलपुर, औरंगाबाद, कैमूर, सीतामढ़ी और पश्चिम चंपारण।

▶ अमित शाह का दबदबा, 88.6% स्ट्राइक रेट, 125 सीटों का कमाल

अगर मोदी की रैलियां असरदार थीं, तो अमित शाह ने तो जमीन पर चुनावी माहौल ही बदल दिया। शाह ने 28 मेगा रैलियां कीं, जिनसे 141 सीटें कवर हुईं। इनमें से 125 सीटें एनडीए के खाते में गईं। गृह मंत्री अमित शाह का स्ट्राइक रेट रहा 88.6% रहा, जो पीएम मोदी से भी ज्यादा है।

▶ अमित शाह की रैलियों का असर

2020 में इन्हीं 141 सीटों में एनडीए जीता था 93 सीटें

इस बार जीती 125 सीटें

NDA को मिला 32 सीटों का फायदा

जिन नेताओं के लिए शाह ने रैलियां कीं,

मैथिली ठाकुर (अलीनगर), सम्राट चौधरी (तारापुर), विजय सिन्हा (लखीसराय)-तीनों की जीत पक्की हुई

2020 में अमित शाह कोरोना के कारण बिहार नहीं आ पाए थे, लेकिन इस बार उन्होंने चुनाव अभियान की कमान संभालकर पूरा चुनावी ग्राफ बदल दिया।

▶ अमित शाह ने इन जिलों में रैलियां कीं

पूर्णिया, कटिहार, सुपौल, जमुई, भागलपुर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, दरभंगा, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, गोपालगंज, समस्तीपुर, वैशाली, लखीसराय, मुंगेर, नालंदा, पटना, बेगूसराय, खगड़िया।

▶ RJD को वोट तो मिले लेकिन सीटें नहीं! क्यों हार गया महागठबंधन?

यह चुनाव एक और दिलचस्प आंकड़ा दिखाता है, RJD का वोट शेयर 23% रहा, जो किसी भी पार्टी से सबसे ज्यादा है।

पर सीटें? सिर्फ 25 सीटें।

वोट शेयर यानी कुल डाले गए मतों में से किसी पार्टी को मिले वोटों का प्रतिशत। RJD को वोट तो भरपूर मिले, लेकिन ज्यादातर सीटों पर वह दूसरे नंबर पर रही। यानी वोट बढ़े, पर जीत नहीं मिली।

इन सीटों पर रिकॉर्ड जीत ने बना दिया इतिहास, रूपौली से जमुई तक देखें लिस्ट

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 202 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर स्पष्ट जनादेश प्राप्त किया है। इस प्रचंड विजय की खासियत यह रही कि कई एनडीए उम्मीदवारों ने न केवल अपनी सीट जीती, बल्कि रिकॉर्ड-तोड़ अंतर से जीत हासिल कर अपनी सीटों पर वर्चस्व साबित किया।

रूपौली, दीघा, गोपालपुर और हसनपुर जैसी सीटें इस बात की गवाह बनीं कि मतदाताओं ने बड़े अंतर से एनडीए के प्रत्याशियों पर भरोसा जताया। इस रिपोर्ट में हम उन सीटों पर गहराई से नजर डालेंगे जहां उम्मीदवारों ने हजारों वोटों के विशाल अंतर से जीत दर्ज करते हुए चुनावी इतिहास रचा है, जो एनडीए के पक्ष में मजबूत लहर को दर्शाता है।

जनता दल (यूनाइटेड) के कलाधर प्रसाद मंडल ने 73,572 मतों के विशाल अंतर से जीत दर्ज कर रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल की बीमा भारती को हराया। यह भारी जीत स्पष्ट रूप से मतदाताओं के बीच खास के प्रति मजबूत विश्वास और मंडल के व्यापक समर्थन आधार को दर्शाती है, जिससे रूपौली में एनडीए का वर्चस्व स्थापित हुआ।

बीजेपी उम्मीदवार संजीव चौरसिया ने दीघा सीट पर 59,079 वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की। शहरी मतदाताओं के बीच उनकी लोकप्रियता और एनडीए के पक्ष में लहर के कारण उन्हें 1.1 लाख से अधिक वोट मिले। यह जीत शहरी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी की मजबूत पकड़ और चुनावी रणनीति की सफलता को रेखांकित करती है।

जदयू के शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने वीआईपी उम्मीदवार प्रेम सागर को 58,135 वोटों के प्रभावशाली अंतर से शिकस्त दी। यह बड़ी जीत गोपालपुर क्षेत्र में खास के सांगठनिक आधार की मजबूती को दर्शाती है। एनडीए के घटक दल के रूप में बुलो मंडल की सफलता ने

गठबंधन की सामूहिक ताकत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राजेश कुमार ने 58,191 वोटों के अंतर से बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने जनशक्ति जनता दल के श्याम किशोर चौधरी को हराया। छखड़ (पर) के लिए यह जीत पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता और चिराग पासवान के नेतृत्व की स्वीकार्यता को दर्शाती है, खासकर ग्रामीण और युवा मतदाताओं के बीच है।

भाजपा उम्मीदवार रमा निषाद ने 57,206 वोटों के मजबूत अंतर से औराई सीट जीती। यह जीत इस क्षेत्र में भाजपा की प्रभावी रणनीति और निषाद समुदाय के वोटों को एकजुट करने की क्षमता को दर्शाती है। इतनी बड़ी जीत ने यह सुनिश्चित किया कि औराई सीट पर विपक्ष कोई चुनौती पेश न कर सके।

जदयू के कौशल किशोर ने 55,428 वोटों के बड़े मार्जिन से जीत हासिल की। यह जीत राजगीर जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले निर्वाचन क्षेत्र में खास के गहरे प्रभाव को प्रदर्शित करती है। कौशल किशोर की शानदार जीत ने एनडीए के कुल सीट टैली को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भाजपा उम्मीदवार नीतीश मिश्रा ने 54,849 वोटों के अंतर से यह सीट जीती। यह जीत मिथिलांचल क्षेत्र में भाजपा की बढ़ती पैठ और नीतीश मिश्रा की व्यक्तिगत लोकप्रियता का प्रमाण है। झंझारपुर में यह बड़ा जनादेश एनडीए के विकास और सुशासन के एजेंडे पर मतदाताओं के विश्वास को दर्शाता है।

भाजपा की श्रेयसी सिंह ने 54,498 वोटों के अंतर से निर्णायक जीत हासिल की। एक युवा और लोकप्रिय नेता के रूप में, उनकी यह जीत जमुई के मतदाताओं के बीच उनके व्यक्तिगत आकर्षण और भाजपा की संगठनात्मक ताकत का परिणाम है। यह NDA की रणनीति की सफलता को भी दर्शाती है, जहाँ नए और ऊर्जावान चेहरों को मौका दिया गया।

बिहार में आरजेडी की हार के बाद लालू की बेटी रोहिणी ने पार्टी-परिवार से तोड़ा नाता, क्यों अचानक लिया ऐसा फैसला

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को करारी हार का सामना करना पड़ा है। चुनाव में पार्टी को मिली करारी हार के एक दिन बाद लालू प्रसाद यादव को अब एक और बड़ा झटका लगा है। लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने का ऐलान कर दिया है।

रोहिणी ने ये बड़ा फैसला चुनावों में आरजेडी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुनाया है। रोहिणी आचार्य ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट लिखी है जिसमें उन्होंने राजनीति और परिवार छोड़ने का ऐलान करते हुए उसकी वजह भी बताई है।

रोहिणी ने एक्स पर पोस्ट लिख कर सुनाया ये फैसला

रोहिणी आचार्य ने शनिवार को सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर ये घोषणा की और इस पूरे घटनाक्रम का दोष अपने ऊपर लिया। उन्होंने तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव पर आरोप लगाया कि संजय यादव और रमीज ने ही उन्हें ऐसा करने के लिए 'कहा' था।

रोहिणी ने अपनी पोस्ट में क्या लिखा?

एक्स पर रोहिणी ने लिखा, "मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से संबंध तोड़ रही हूं... यही संजय यादव और रमीज ने मुझसे करने को कहा था... और मैं सारा दोष अपने ऊपर ले रही हूं।"

लालू परिवार में बढ़ी कलह, बेटे के बाद बेटी का छूटा साथ

रोहिणी के इस बयान के बाद लालू यादव परिवार के भीतर बढ़ती दरारें खुलकर सामने आ गई हैं। इसी साल की शुरुआत में, पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को राजद और परिवार से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था।

रोहिणी के इस फैसले की आखिर क्या है वजह?

हालांकि राजनीति के जानकारों को ये भी मानना है कि बिहार चुनाव में आरजेडी को मिली करारी हार के बाद रोहिणी आचार्य की ये पोस्ट एक प्रेशर क्रिएट करने की रणनीति भी हो सकती है क्योंकि चुनाव के दौरान उनके भाई तेजस्वी यादव ने आरजेडी से विद्रोह करने वाले संजय यादव और उनके सहयोगी रमीज आलम के खिलाफ तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की। इसके अलावा ये रोहिणी परिवार से नाता तोड़ने और राजनीति छोड़ने का ऐलान भावनात्मक कदम माना जा रहा है। इसका उद्देश्य अपने माता-पिता पर पारिवारिक झगड़े में हस्तक्षेप करने का दबाव डालना भी हो सकता है।

रोहिणी ने संजय यादव को लेकर जताई थी ये आपत्ति

याद रहे चुनाव के दौरान आरजेडी की रथ यात्रा में संजय यादव को तेजस्वी की 'रथ' में उनकी सीट पर बैठे देखकर रोहिणी ने सबसे पहले सार्वजनिक रूप से आपत्ति जताई थी। तभी ये बात सामने आई थी कि रोहिणी का मानना है कि संजय यादव तेजस्वी के आप-पास होने वाली बातों पर लगातार हावी हो रहे थे। हालांकि पार्टी सूत्रों के अनुसार संजय यादव के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए परिवार के मुखिया ने भी तेजस्वी यादव पर दबाव नहीं डाला है।

दिल्ली कैपिटल्स में नीतीश राणा की एंट्री, बदले में राजस्थान रॉयल्स गया ये मैच विनर खिलाड़ी, फैंस हैरान

(जीएनएस)। आईपीएल 2026 रिटेंशन डेडलाइन से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स (DC) और राजस्थान रॉयल्स (RR) के बीच एक बड़ी ट्रेड डील पूरी हो गई है। दिल्ली ने अनुभवी भारतीय बल्लेबाज नीतीश राणा को राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड कर लिया है। इसके बदले RR ने दक्षिण अफ्रीकी स्टार डोनोवन फरेरा को अपने स्क्वॉड में शामिल कर लिया है, जो पहले भी रॉयल्स का हिस्सा रह चुके हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े राणा जी

दिल्ली कैपिटल्स के लिए नीतीश राणा का आना फायदे का सौदा है। घरेलू क्रिकेट में दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर चुके यह बाएं हाथ का बल्लेबाज एक अनुभवी आईपीएल खिलाड़ी है।

राणा ने KKR की कप्तानी भी की है। वह टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं और जरूरत पड़ने पर ओपनिंग से लेकर नंबर 4 तक की भूमिका निभा सकते हैं। राणा के जुड़ने से दिल्ली को मध्य क्रम में एक स्थिर और भरोसेमंद भारतीय विकल्प मिलेगा।

राजस्थान रॉयल्स में फरेरा की वापसी

राजस्थान रॉयल्स ने डोनोवन फरेरा को शामिल करके अपने स्क्वॉड की एक स्पष्ट कमजोरी को दूर करने की कोशिश की है। फरेरा हाल ही में पाकिस्तान दौरे पर दक्षिण अफ्रीका टीम के कप्तान थे। वह निचले क्रम में विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। यह एक ऐसा डिपार्टमेंट है जिसमें राजस्थान को पिछले सीजन में संघर्ष करना पड़ा था।

ये खिलाड़ी होंगे राजस्थान से रिलीज

राजस्थान ने इसके अलावा संजू सैमसन को CSK भेजकर रवींद्र जडेजा और सैम करन को टीम में शामिल कर चुकी है। जडेजा और सैम करन के साथ-साथ फरेरा के आने से फ्रैंक के विदेशी खिलाड़ियों की संख्या बढ़ गई है। अपने स्क्वॉड को संतुलित करने के लिए रॉयल्स अब बड़े पैमाने पर विदेशी खिलाड़ियों को रिलीज करने की तैयारी में है। फजलहक फारूकी, वानिंदु हसरंगा, महेश थीक्षाना और क्वेना मफाका जैसे खिलाड़ियों पर रिलीज होने का खतरा है।

जंगल सफारी, एडवेंचर और वन्य जीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी, राजाजी टाइगर रिजर्व के खुले सारे गेट

(जीएनएस)। जंगल सफारी, एडवेंचर का शौक रखने वाले और वन्य जीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। राजाजी टाइगर रिजर्व के सभी पर्यटन गेट खोल दिए गए हैं। पार्क की मोतीचूर, चीला, रानीपुर व मोहंड रेंज अपने वन्यजीव पर्यटन के लिए विख्यात है ख़ास बात ये है कि प्रशासन की ओर से इस बार कोई शुल्क नहीं बढ़ाया गया है।

इस दौरान राजाजी टाइगर रिजर्व की मोतीचूर रेंज में डग्गामार वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। पार्क की मोतीचूर रेंज में पंहुचने वाले पर्यटकों के लिए इस बार नए रिसेप्शन सेंटर का निर्माण किया गया है। साथ ही पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

हर वर्ष 15 जून को मानसून के मद्देनजर पार्क के गेट बंद कर दिए जाते हैं और गेट 15 नवंबर को पर्यटकों के लिए खोले जाते हैं। चीला रेंज में स्थित सबसे लंबे सफारी ट्रैक पर इस बार वृत्ताकार सफारी नहीं हो

सकेगी। परंतु पर्यटक यहां वन-वे सफारी का आनंद ले सकते हैं।

राजाजी टाइगर रिजर्व वन्यजीवों और जंगल सफारी के लिए प्रसिद्ध है। पार्क में बाघ, हाथी, भालू, गुलदार, हिरण समेत कई अन्य जानवरों को देखने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी यहां पहुंचते हैं। राजाजी टाइगर रिजर्व को एशियाई हाथियों की सैरगाह के रूप में जाना जाता है।

पर्यटकों के लिए पार्क प्रशासन ने इस बार प्रवेश शुल्क में कोई वृद्धि नहीं की है।

भारतीय पर्यटक से 150 रुपये, विदेशी से 600, भारतीय वाहन से 250, विदेशी वाहन से 500 रुपये का प्रवेश शुल्क लिया जाएगा।

छात्रों को प्रवेश शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी गई है।

वन विश्राम भवन में ठहरने का शुल्क 1000 रुपये निर्धारित किया गया है।

व्यावसायिक कैमरा शुल्क 500 रुपये लिया जाएगा।

मोतीचूर रेंज में डग्गामार वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

जिन वाहनों को प्रवेश की अनुमति मिली है उनका रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है।

टैक्सी नंबर और रजिस्टर्ड वाहन ही पर्यटकों को जंगल सफारी करा सकेंगे।

यह क्या हुआ? बिना आउट हुए 3 गेंद बाद पवेलियन लौटे कप्तान गिल

(जीएनएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट के दूसरे दिन टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। कप्तान शुभमन गिल गर्दन में गंभीर अकड़न के कारण मैदान छोड़कर चले गए। गिल केवल तीन गेंदें ही खेल पाए थे, लेकिन दर्द इतना असहनीय था कि उन्हें अपनी पारी बीच में ही छोड़कर पवेलियन लौटना पड़ा।

वाशिंगटन सुंदर का विकेट गिरने के बाद शुभमन गिल 35वें ओवर में बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने प्रोटियाज स्पिनर साइमन हार्मर का सामना करते हुए पहली दो गेंदों को तो सफलतापूर्वक डिफेंड किया, लेकिन अपनी आक्रामक शैली दिखाते हुए तीसरी गेंद पर एक चौका जड़ा।

गिल ने बीच में ही रिटायर्ड हर्ट घोषित की पारी

हालांकि, यही उनकी पारी का अंत साबित हुआ। चौका लगाने के तुरंत बाद ही गिल गंभीर दर्द में दिखे और अपने गले को पकड़कर खड़े हो गए। फीजियो ने तुरंत उनकी जांच की, लेकिन गिल हिलने या आगे खेलने की स्थिति में नहीं थे। असहनीय दर्द के कारण भारतीय कप्तान को अपनी पारी बीच में ही रिटायर्ड हर्ट घोषित करनी पड़ी और वह मात्र तीन गेंद खेलने के बाद ही पवेलियन लौट गए।

पंत ने संभाली उप-कप्तानी

यह घटना भारतीय टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है, खासकर जब टीम पहली पारी में संघर्ष कर रही है। चोट लगने के बाद गिल धीरे-धीरे ड्रेसिंग रूम की ओर चले गए। उनकी अनुपस्थिति में, उप-कप्तान ऋषभ पंत ने बल्लेबाजी जारी रखी और मैदान पर कप्तानी की बागडोर संभाली।

यह भी गौरतलब है कि पहले दिन भी गिल कुछ समय के लिए मैदान से बाहर थे और उस दौरान पंत ने उप-कप्तान के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। गिल हाल ही में इस फॉर्मेट में कप्तान बनने के बाद शानदार फॉर्म में चल रहे हैं, और टीम उम्मीद कर रही होगी कि वह जल्द से जल्द ठीक होकर बल्लेबाजी के लिए लौटें। गिल को ईडन गार्डन्स पर दर्शकों से गर्मजोशी भरा स्वागत मिला था, क्योंकि वह अंडर-19 दिनों से कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल चुके हैं।

खबर लिखे जाने तक, भारत का स्कोर 131 रन पर 3 विकेट है और टीम दक्षिण अफ्रीका के स्कोर (159 रन) से मात्र 28 रन पीछे है। पंत (27 रन) और जडेजा (9 रन) ने मिलकर 22 रनों की साझेदारी पूरी कर ली है। यह जोड़ी न सिर्फ भारत को पहली पारी में बढ़त दिलाने की कोशिश कर रही है, बल्कि कप्तान की अनुपस्थिति में टीम को बड़े संकट से निकालने का काम भी कर रही है।

स्टालिन बोले- बिहार चुनाव परिणाम ईडी के कुकृत्यों और लापरवाहियों पर पर्दा नहीं डाल सकते

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की शानदार जीत के बाद, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को जनता दल (यूनाइटेड) (JDU) के नेता नीतीश कुमार को बधाई दी। इस अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग (ECI) की आलोचना भी की।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि बिहार चुनाव के नतीजे चुनाव आयोग (ईसीआई) के के नतीजे एउकके गलत कार्यों और लापरवाहियों पर पर्दा नहीं डाल सकते। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईसीआई की प्रतिष्ठा अपने सबसे निचले स्तर पर है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने बिहार चुनाव को सभी के लिए एक सबक बताया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "इस देश के नागरिक एक अधिक मजबूत और निष्पक्ष चुनाव आयोग के हकदार हैं, जिसकी चुनाव प्रक्रिया उन लोगों में भी विश्वास जगाए जो जीत नहीं पाते।"

स्टालिन ने बिहार में एक बार फिर सरकार बनाने जा रहे जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार को उनकी निर्णायक जीत के लिए बधाई दी और बिहार के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने में उनकी सफलता की कामना की। इसके साथ ही स्टालिन ने युवा नेता तेजस्वी यादव के अथक चुनावी अभियान की भी सराहना की।

बिहार में 'इंडिया' ब्लॉक की हार के बाद, स्टालिन ने राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के नेता तेजस्वी यादव और गठबंधन के अन्य नेताओं के अथक चुनाव प्रचार की सराहना की। उन्होंने कहा, "चुनाव परिणाम कल्याणकारी योजनाओं के वितरण, सामाजिक और वैचारिक गठजोड़, स्पष्ट राजनीतिक संदेश और अंतिम वोट डाले जाने तक समर्पित प्रबंधन को दशार्ते हैं।

चिराग पासवान ने बताया कौन बनेगा सीएम

एनडीए गठबंधन के प्रमुख सहयोगी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान (LJP-रामविलास) ने मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर नीतीश कुमार से मुलाकात की।

बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर जारी संशय के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चिराग पासवान का गर्मजोशी से स्वागत किया और जीत की खुशी में उन्हें गले लगा लिया। चुनाव परिणामों की खुशी नीतीश कुमार के चेहरे पर साफ झलक रही थी। यह मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2020 के चुनावों के बाद JDU और चिराग पासवान के बीच रिश्ते तनावपूर्ण रहे थे। हालांकि, इस बार की ऐतिहासिक जीत ने पुरानी कड़वाहट को दूर कर दिया है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, रेंट एग्रीमेंट रजिस्ट्रेशन पर मिलेगी 90 प्रतिशत की छूट

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश सरकार ने कियेदारी और पट्टा एग्रीमेंट के रजिस्ट्रेशन को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में रेंट एग्रीमेंट रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी छूट का ऐलान किया गया है. इसके अलावा, वृद्धा पेंशन से संबंधित भी एक बड़ा फैसला लिया गया है, जिसमें अब 60 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों को आवेदन की प्रक्रिया से मुक्ति मिल गई है. आइए जानते हैं यूपी सरकार के इस फैसले के बारे में विस्तार से.

रेंट एग्रीमेंट रजिस्ट्रेशन पर 90% छूट

योगी सरकार ने किरायेदारी और पट्टा एग्रीमेंट के रजिस्ट्रेशन पर 90 प्रतिशत तक की छूट देने का ऐलान किया है. अब 10 साल तक के किराएदारी एग्रीमेंट पर यह छूट मिलेगी. इस कदम का उद्देश्य यह है कि 10 रुपये से लेकर 100 रुपये तक के स्टांप पेपर पर 11 महीने के किराएदारी एग्रीमेंट की प्रक्रिया को आसान और सस्ता बनाया जा सके. इसके माध्यम से सरकार यह चाहती है कि अधिक से अधिक लोग किराएदारी एग्रीमेंट को रजिस्टर करें, जिससे कानूनी सुरक्षा और विवादों से बचाव हो सके. हालांकि, इस छूट का लाभ सिर्फ किरायेदारी एग्रीमेंट पर मिलेगा, जबकि टोल और पट्टा संबंधित एग्रीमेंट पर यह छूट लागू नहीं होगी.

अब सीधे खाते में वृद्धा पेंशन

योगी सरकार ने राज्य के वृद्ध नागरिकों के लिए एक और बड़ा कदम उठाया है. अब 60 साल और उससे अधिक उम्र के नागरिकों को वृद्धा

पीएम मोदी और रामफोसा की द्विपक्षीय बैठक के लिए व्यापक एजेंडा तैयार, उच्चायुक्त बोले- 'साझेदारी की मजबूती को तैयार'

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। भारत में दक्षिण अफ्रीका के उच्चायुक्त अनिल सूकलाल ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगले सप्ताह जोहानिसबर्ग में जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन से इतर होने वाली द्विपक्षीय बैठक के लिए एक व्यापक एजेंडा तैयार किया गया है।

जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 22 और 23 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका के सबसे बड़े शहर जोहानिसबर्ग में होने वाला है। सूकलाल ने कहा कि राष्ट्रपति रामफोसा और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बैठक में न केवल वर्तमान द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति पर विचार किया जाएगा, बल्कि सुरक्षा सहयोग, लोगों से लोगों के बीच संपर्क आदि जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए क्षेत्रों पर भी विमर्श किया जाएगा।

उन्होंने कहा, "भारत रंगभेद के खिलाफ हमारे संघर्ष और हमारे मुक्ति संग्राम का समर्थन करने वाले चुनिंदा देशों में से एक था। 1994 में लोकतंत्र बनने के बाद से हमारे संबंध काफी प्रगाढ़ हुए हैं। भारत हमारा तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और हमारे सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक साझेदारों में से एक है। हमारे संबंधों की नींव बहुत गहरी है। द्विपक्षीय व्यापार के संदर्भ में हमारा सहयोग बहुत जीवंत है और यह निरंतर बढ़ रहा है।"

उन्होंने कहा, "जहां तक व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक सहयोग की बात है तो जैसा कि आप जानते हैं, खेल और संस्कृति हमारे संबंधित देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के संदर्भ में हमारे सहयोग का एक प्रमुख स्तंभ हैं।

ग्लोबल साउथ के देश होने के नाते, भारत और दक्षिण अफ्रीका, हम दोनों ने शोषण और उपनिवेशवाद को झेला है और एक कठिन अतीत से बाहर आए हैं। लेकिन, हम दोनों आज ग्लोबल साउथ के अग्रणी देश हैं।'

'ग्लोबल साउथ के मुद्दों को उठाने के लिए पीएम मोदी का बहुत सम्मान हैं'

ग्लोबल साउथ की सामूहिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों और योगदान की सराहना करते हुए सूकलाल ने कहा, "यह सर्वविदित है कि अफ्रीकी महाद्वीप में प्रधानमंत्री मोदी का वैश्विक स्तर पर बहुत सम्मान है।

दक्षिण अफ्रीका में उनका बहुत सम्मान किया जाता है और हम उन्हें एक महत्वपूर्ण वैश्विक नेता के रूप में देखते हैं जो अफ्रीका सहित ग्लोबल साउथ के मुद्दों को उठा रहे हैं।

एक दशक से भी कम समय में प्रधानमंत्री मोदी की यह चौथी दक्षिण अफ्रीका यात्रा होगी। मुझे लगता है कि वह उन भारतीय प्रधानमंत्रियों में से एक हैं जो सबसे अधिक बार दक्षिण अफ्रीका गए हैं।

कोविड 19 के बाद दुनिया में एक और जानलेवा वायरस की एंट्री, 8 दिन में खूनी मौत!

(जीएनएस)। कोविड 19 की दहशत से अभी दुनिया बाहर ही निकली थी कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि दक्षिणी इथियोपिया में कम से कम नौ लोग जानलेवा मारबर्ग वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इस वायरस को इबोला का 'चचेरा भाई' कहा जाता है, क्योंकि यह उससे काफी मिलता-जुलता है। पूर्वी अफ्रीका में फैला यह संक्रमण अत्यधिक संक्रामक माना जा रहा है, और इसे कंट्रोल करने के प्रयास जारी हैं।

सीमा पार फैलाव रोकने की कोशिशें

हल्ड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी दी कि संगठन "इथियोपिया को इस प्रकोप को नियंत्रित करने और संक्रमित लोगों का इलाज करने में सक्रिय रूप से सहायता कर रहा है, साथ ही सीमा पार फैलाव की संभावना को रोकने के सभी प्रयासों का समर्थन कर रहा है।"

टं१४१ॅ श्१४२

मारबर्ग वायरस क्या है?

मारबर्ग वायरस रोग एक गंभीर बुखार पैदा करने वाली बीमारी है, जो

सीधे संपर्क से एक व्यक्ति से दूसरे में फैल सकती है। यह संक्रमित शारीरिक तरल पदार्थों जैसे रक्त, लार या मूत्र के माध्यम से फैलता है। दूषित सतहों को छूने से भी इसका संक्रमण हो सकता है।

मारबर्ग वायरस इबोला वायरस परिवार से गहरा संबंध रखता है। इसकी पहचान सबसे पहले 1967 में हुई थी, जब जर्मनी के मारबर्ग और फ्रैंकफर्ट, तथा सर्बिया के बेलग्रेड में प्रयोगशाला कर्मचारी बीमार पड़े थे। यह वायरस संक्रमित जंगली जानवरों के संपर्क में आने से मनुष्यों में फैल सकता है। इसका नाम जर्मनी के मारबर्ग शहर के नाम पर रखा गया है, जहां इसका पहली बार प्रकोप फैला था।

मारबर्ग वायरस के शुरूआत लक्षण

रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (उ्ऊ) के अनुसार, मारबर्ग वायरस के शुरूआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, ठंड लगना और मांसपेशियों में दर्द शामिल हैं। अन्य रिपोर्ट किए गए लक्षणों में सीने में दर्द, मतली, उल्टी और दस्त शामिल हैं।

गंभीर मामलों में अत्यधिक रक्तस्राव और कई अंगों का काम बंद होना भी हो सकता है। हल्ड ने चेतावनी दी है कि जो मरीज इस वायरस से संक्रमित होते हैं, उनमें बीमारी की शुरूआत के 2-7 दिनों के भीतर बिना खुजली वाले दाने विकसित हो सकते हैं।

8-9 दिन में हो जाता है खेल खत्म

पिछले रुझानों के अनुसार, मृत्यु आमतौर पर वायरस की शुरूआत के आठ से नौ दिनों के भीतर होती है, जिससे पहले तीव्र रक्तस्राव और सदमा लगता है। मारबर्ग वायरस की मृत्यु दर लगभग 50 प्रतिशत है। फिलहाल, मारबर्ग के लक्षणों का इलाज करने के लिए कोई टीका या एंटी-वायरल उपचार मौजूद नहीं है।

कई अफ्रीकी देशों में पहले भी मिल चुके हैं मामले

WHO के अनुसार, मारबर्ग के मामले पहले डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, घाना, केन्या, इक्वेटोरियल गिनी, रवांडा, दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया और युगांडा में रिपोर्ट किए गए हैं। यह वायरस चमगादड़ों से मनुष्यों में फैला होगा और प्रकोप नियंत्रित होने के बाद भी कई बार दोबारा फैल सकता है।

नौगामः धमाके के बाद क्या करते हैं फोरेंसिक एक्सपर्ट? किन लापरवाहियों से बिगड़ सकती है पूरी जांच?

नवंबर को नई दिल्ली लाल किले के पास और 14-15 नवंबर की दरम्यानी रात श्रीनगर के नौगाम में धमाके हुए। दिल्ली में 13 लोगों की जान चली गई जबकि नौगाम में ये संख्या 9 है। दोनों ही घटनाएं आतंकवादियों से जुड़ी हैं जिसमें एक घटना में आतंकवादी ने घबराहट में अंजाम दिया और दूसरी में जांच टीम जब एक्सप्लोसिव को समझ रही थी तब उस वक्त धमाका हुआ। ऐसे में हम समझेंगे कि ऋछ टीम का काम कितना चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा होता है। कैसे शुरूआती मिनट की जांच पूरे केस का रास्ता तय करती है।

फोरेंसिक टीम और शुरूआती मिनट

दिल्ली फोरेंसिक लैब के विस्फोटक विभाग के एक्सपट्‌र्स पुलिसकर्मियों के साथ आधे घंटे के भीतर घटनास्थल पर पहुंच गए थे। ऐसे मामलों में फोरेंसिक विशेषज्ञों का मुख्य कार्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कारण का पता लगाना और उसका एनालिसिस

करना होता है। मौका-ए-वारदात से वे सभी जरूरी सेंपल कलेक्ट करते हैं और तत्काल लैब में परीक्षणों की व्यवस्था करते हैं, ताकि दुर्घटना का कारण या शामिल लोगों की पहचान साइंटिफिकली की जा सके।

धमाके वाली जगह को समझने की चुनौती और बिखरे सबूत

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्‌स में अक्सर बताया जाता है कि फोरेंसिक सदस्य घटनास्थल से नमूने इकठ्ठे करते हैं, जो आंशिक रूप से सच है। किसी भी कुशल फोरेंसिक विशेषज्ञ के लिए घटनास्थल बहुत सारी जानकारी प्रदान करता है। हालांकि, एक विस्फोट अन्य अपराधों से अलग होता है; इसमें सब कुछ पल भर में बिखर जाता है। विस्फोटों से हाई प्रेशर और गर्मी निकलती है, जिससे घटनास्थल पर सब कुछ राख हो जाता है, जिससे एक्सपट्‌र्स का काम और कठिन हो जाता है। चुनौतियों के बावजूद, वे अपने प्रयासों में लगे रहते हैं।

क्या है लोकार्ड का सिद्धांत?

लोकार्ड के सिद्धांत के मुताबिक, एक अपराधी घटनास्थल पर कुछ छोड़ता है और जब वह आता है तो कुछ लेकर आता है; दोनों ही फोरेंसिक में साक्ष्य के रूप में समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए, संदिग्ध को घटनास्थल से जोड़ने वाला एक सेंपल जरूर होना चाहिए, जिससे विस्फोट कितना जोरदार था, उसका सोर्स क्या है और किस प्रकार के विस्फोटकों का उपयोग किया गया था, इसका अनुमान लगाना संभव हो सके।

फोटोग्राफी, स्केच और मलबे का कलेक्शन

फोटोग्राफर भी विभिन्न कोणों से घटनास्थल की तस्वीरें लेते हैं, और विशेषज्ञ उसका एक स्केच या फिर डाइग्राम बनाते हैं, जो विश्लेषण के

धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा पर सुप्रीम कोर्ट में बड़ी याचिका! चंद्रशेखर और दामोदर यादव करेंगे महारैली

(जीएनएस)।

दलित पिछड़ा समाज संगठन और आजाद समाज पार्टी (भीम आर्मी) ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री की 'हिंदू राष्ट्र यात्रा' को गैर-संवैधानिक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घोषणा की कि याचिका में यात्रा पर तत्काल रोक और शास्त्री की कथाओं में प्रयुक्त 'आपत्तिजनक भाषा' पर प्रतिबंध की मांग की गई है।

यादव ने विश्वास जताया कि उच्चतम न्यायालय देश की एकता, अखंडता और संविधान की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा। इसी के साथ, 6 दिसंबर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर ग्वालियर में विशाल

महारैली का आयोजन होगा, जिसमें मुख्य अतिथि सांसद चंद्रशेखर आजाद होंगे। रैली के बाद वहीं से 'संविधान बचाओ यात्रा' का शुभारंभ होगा।

धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा पर सुप्रीम कोर्ट में बड़ी याचिका

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाः यात्रा और भाषा पर रोक की मांग

उ्ढरर ने याचिका में कहा कि धीरेंद्र शास्त्री की यात्रा संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 25 का उल्लंघन करती है। यात्रा के दौरान 'हिंदू राष्ट्र' की मांग, जातिवाद और धार्मिक उन्माद को बढ़ावा दिया जा रहा है। शास्त्री की कथाओं में 'आपत्तिजनक भाषा' का इस्तेमाल सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ता है। दामोदर यादव ने कहा, "यह यात्रा आडंबर, पाखंड और जातिवाद को बढ़ावा दे रही है। हम सुप्रीम कोर्ट से अपील करते हैं कि इसे तुरंत रोका जाए।" याचिका में ढक्छ के रूप में दायर की गई है, और सुनवाई की तारीख जल्द तय होने की उम्मीद है।

6 दिसंबरः ग्वालियर में महारैली और संविधान बचाओ यात्रा का शुभारंभ

यादव ने घोषणा की कि 6 दिसंबर को ग्वालियर में बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस पर एक विशाल महारैली होगी। मुख्य अतिथि नगीना सांसद और भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद होंगे। रैली के बाद संविधान बचाओ यात्रा शुरू होगी।

जो ग्वालियर-चंबल से बुंदेलखंड तक जाएगी और बागेश्वर धाम तक पहुंचेगी। यात्रा का उद्देश्य संविधान जागरूकता, पाखंड विरोध और सामाजिक न्याय है। यादव ने कहा, "यह यात्रा बाबा साहेब के सपनों को साकार करने का संकल्प है।"

सिविल जज भर्ती परिणामः आरक्षित वर्ग के साथ 'अन्याय', उट-छडढ का घेराव

यादव ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा 13 नवंबर को जारी सिविल जज (जूनियर डिवीजन) भर्ती 2025 के परिणामों पर कड़ी आपत्ति जताई। कुल 138 पदों में:

यादव ने कहा, "पीएम और सीएम बिरसा मुंडा जयंती मना रहे हैं, लेकिन 2 करोड़ आदिवासियों को यही संदेश? 2007 से पहले MPPSC परीक्षा

बिहार चुनाव जीतते ही भापा का बड़ा एक्शन, पूर्व मंत्री आरके सिंह को पार्टी से निकाला, क्यों लिया ये फैसला?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में धमाकेदार जीत के तुरंत बाद भारतीय जनता पार्टी ने ऐसा फैसला लिया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कभी पार्टी के कद्दावर चेहरे रहे आरके सिंह को बीजेपी ने एक झटके में छह साल के लिए निष्कासित कर दिया।

आरके सिंह को पार्टी से निकालने की वजह उनका हालिया व्यवहार, लगातार विवादित बयान और पार्टी लाइन के उलट की गईं टिप्पणियां, जिन्हें बीजेपी ने खुला अनुशासनहीनता माना।

इखढ फ्ढ ग्रल्लॅ ए७स्री’ीॅ

आखिर क्यों बिगड़े आरके सिंह से रिश्ते? जानिए बैकस्टोरी

आरके सिंह, जो नौकरशाही से राजनीति में आए और मंत्री पद तक पहुंचे, हाल के महीनों में बीजेपी के लिए सिरदर्द बनते जा रहे थे। बिहार चुनाव के बीच उन्होंने नीतीश सरकार और गठबंधन पर कई गंभीर आरोप लगाए, जिससे पार्टी की रणनीति गड़बड़ा रही थी। पार्टी को डर था कि उनके बयान चुनावी माहौल को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यही वजह

रही कि बीजेपी लंबे समय से उनके व्यवहार पर निगाह रख रही थी और सही समय का इंतजार कर रही थी।

प्रशांत किशोर के सुर में सुर, इखढ की चिंता बढ़ी

चुनावी प्रचार के दौरान आरके सिंह न सिर्फ पार्टी नेतृत्व से दूर नजर आए, बल्कि उन्होंने खुले मंच पर प्रशांत किशोर के बयानों का समर्थन भी किया। कई मौकों पर वे प्रधानमंत्री की सभाओं और बीजेपी कैंपेन से भी दूरी बनाए रहे।

पार्टी हाईकमान को लगने लगा था कि उनका यह रवैया गठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि चुनाव के बीच कोई कड़ा फैसला लेना जोखिम भरा होता, लेकिन चुनाव खत्म होते ही बीजेपी ने इंतजार खत्म किया और सीधा अनुशासनात्मक कार्रवाई कर डाली।

लोकसभा हार के बाद से ही अंदर ही अंदर बढ़ रही थी नाराजगी

आरा सीट से पिछला लोकसभा चुनाव हारने के बाद आर.के. सिंह की नाराजगी बढ़ती चली गई थी। उनकी शिकायत थी कि उन्हें हराया विपक्ष ने नहीं, बल्कि बीजेपी के अंदर ही कुछ लोगों ने प्लानिंग करके हरवाया।

इस बीच, पवन सिंह को पार्टी में एंट्री मिलना आग में घी डालने जैसा साबित हुआ। पवन सिंह की लोकप्रियता ने संगठन में समीकरण बदल दिए और आरके सिंह की पकड़ कमजोर पड़ गई। यही वजह रही कि वे धीरे-धीरे खुद को हाशिए पर महसूस करने लगे और पार्टी नेतृत्व से दूरी बढ़ाते गए।

बीजेपी का फैसला, अब नहीं चलेगी दोहरी लाइन

बीजेपी ने साफ कर दिया कि चुनाव जितना हो या हार, पार्टी अनुशासन सबसे ऊपर है। आर.के. सिंह के बयान, आरोप और सार्वजनिक मंचों पर पार्टी के खिलाफ दिए गए संकेतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता था। इसलिए बिहार जीत के साथ ही बीजेपी ने यह मैसेज भी दे दिया कि संगठन के भीतर 'डिसिप्लिन' से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई तय है-चाहे वो कितना ही बड़ा चेहरा क्यों न हो।

आईपीएल रिटेंशन के बाद किसके पर्स में कितना पैसा? सबसे कम मुंबई के पास 3 करोड़, इस टीम के पास सर्वाधिक राशि

(जीएनएस)।

आईपीएल रिटेंशन और रिलीज के अंतिम दिन सभी टीमों ने अपने पत्ते खोल डाले। केकेआर ने अपने दिग्गज प्लेयर आंद्रे रसेल को 10 साल बाद टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनके अलावा वेंकटेश अय्यर को भी बाहर कर दिया गया। सभी टीमों के पर्स में बचे पैसों में केकेआर सबसे ऊपर है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने भी रवीन्द्र जडेजा को ट्रेड करने के बाद भी कुछ खिलाड़ी बाहर किये हैं। पथिराना जैसा गेंदबाज उन्होंने जाने दिया है। चेन्नई सुपर किंग्स के पर्स में भी काफी पैसा बचा है, जिसका उपयोग अब अगले महीने होने वाले मिनी ऑक्शन में किया जाएगा।

मुंबई इंडियंस इस लिस्ट में सबसे नीचे है। मुंबई के पर्स में सबसे कम राशि बची है। सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के पास भी अच्छा पैसा बचा है। हैदराबाद ने ट्रेड करते हुए शमी को लखनऊ में भेज दिया था। दिल्ली को भी ट्रेड से नितीश राणा मिले हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद ने मोहम्मद शमी के अलावा भी कई खिलाड़ी रिलीज किये हैं। टीम से कुल 9 प्लेयर्स बाहर हुए हैं। ऐसे में 25 करोड़ से ज्यादा रकम पर्स में आ गई है, इसका उपयोग अब नीलामी के दौरान कुछ बड़े प्लेयर्स के ऊपर लगाने का काम किया जाएगा।

लखनऊ सुपर जायंट्स के पर्स में 22 करोड़ से ज्यादा धन राशि बची है। रवि बिश्नोई को इस बार टीम से बाहर कर दिया गया है। कुल 7 प्लेयर्स को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। सबसे ज्यादा समझदारी वाला काम गुजरात टाइटंस ने किया है। गुजरात ने अपने कोर ग्रुप को रिटेन रखा है और छह प्लेयर्स बाहर किये हैं। कोई बड़ा नाम इनमें नहीं है।

पर्स में मौजूद धन राशि

केकेआर - 64.3 करोड़

चेन्नई सुपर किंग्स - 43.4 करोड़

सनराइजर्स हैदराबाद - 25.5 करोड़

लखनऊ सुपर जायंट्स - 22.95 करोड़

दिल्ली कैपिटल्स - 21.8 करोड़

आरसीबी - 16.4 करोड़

राजस्थान रॉयल्स - 16.05 करोड़

गुजरात टाइटंस - 12.9 करोड़

पंजाब किंग्स - 11.5 करोड़

मुंबई इंडियंस - 2.75 करोड़